



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 202]
No. 202]

नई दिल्ली, बुधवार, अप्रैल 15, 1987/चैत्र 25, 1909
NEW DELHI, WEDNESDAY, APRIL 15, 1987/CHAITRA 25, 1909

इस भाग में निम्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

नई दिल्ली, 15 अप्रैल, 1987

अधिसूचना

संख्या 117/87, केन्द्रीय उत्पादशुल्क

मा. का. नि. 403(अ):— केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-
शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की धारा 37
द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय उत्पादशुल्क नियम,
1944 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बतानी है,
अर्थात्:—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम, केन्द्रीय उत्पादशुल्क (द्वय
संशोधन) नियम, 1987 है।

(2) ये राजपत्र में उनके प्रकाशन की तारीख से प्रवृत्त होंगे।

2. केन्द्रीय उत्पादशुल्क नियम, 1944 (जिसे हममें इसके पश्चात्
उक्त नियम कहा गया है) नियम 56 क में उपनियम (9) के स्थान पर,
निम्नलिखित उपनियम रखा जाएगा, अर्थात्:—

“(9) इस नियम के अधीन किसी सामग्री, संघटक भागों या परि-
सृजित उत्पाद पर मंडल शुल्क का मुजरा अनुज्ञात नहीं किया जाएगा
यदि ऐसी सामग्री संघटक भागों या परिसृजित उत्पाद पर मंडल शुल्क
का मुजरा नियम 57 क के अधीन लिया गया है।”।

3. उक्त नियमों के नियम 57क में, उपनियम (1) में, संशोधन
में,—

(क) खंड (iii) के अंत में आने वाले “या” शब्द का लोप किया
जाएगा ;

(ख) खंड (iv) के अन्त में “या” शब्द अंत में स्थापित किया
जाएगा।

4. उक्त नियमों के नियम 57क के स्थान पर, निम्नलिखित नियम
रखा जाएगा, अर्थात्:—

“57क. शुल्क मुजरा का समायोजन

यदि ऐसे किसी निवेदन पर, जिसके संबंध में नियम 57 के अधीन
मुजरा अनुज्ञात किया गया है, किसी कारणवश मन्वञ्चान परिवर्तित हो
जाता है, जिसके परिणाम स्वरूप, ऐसे निवेदन के, यथास्थिति विनिर्माता
या आयातकर्ता को वापसी का संशय किया जाता है या उसके अधिक
शुल्क की वसूली की जाती है, तो अनुज्ञात मुजरा नियम 57 छ के
उपनियम (3) के अधीन रखे गए मुजरा लेखा में या नियम 173 छ के
उपनियम (1) या नियम 9 के अधीन रखे गए लेखा में समायोजन द्वारा
तदनुसार परिवर्तन कर दिया जाएगा या यदि किसी कारणवश ऐसा
समायोजन संभव नहीं है तो नियम 57 क के अधीन मुजरा का लाभ
उठाने वाले विनिर्माता से, यथास्थिति, नकद वसूली या उसे वापस करके,
ऐसा परिवर्तन किया जाएगा।”।

5. उक्त नियमों के नियम 57छ में उपनियम (2) में पथ में परन्तु के स्थान पर, निम्नलिखित परन्तु रखा जाएगा, अर्थात्:—

“परन्तु तब तक कोई मुजरा नहीं लिया जाएगा जब तक निवेश, कारखाने में द्वारा फास, ए. आर-1 प्रवेश विषय या किसी अन्य दस्तावेज के अधीन, जो केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और सीमा शुल्क बोर्ड [केन्द्रीय राजस्व बोर्ड अधिनियम, 1963 (1963 का 54) के अधीन गठित] द्वारा इस निमित्त ऐसे निवेशों पर शुल्क के संदाय के माध्य स्वरूप, विहित किया जाए प्राप्त न किए जाए:”।

6. उक्त नियमों के नियम 57ज में, उपनियम (1) के स्थान पर निम्नलिखित उपनियम रखे जाएंगे अर्थात्:—

“(1)” नियम 57ज में अन्तर्बिष्ट किसी बात के होने हुए भी, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क सहायक कलक्टर, ऐसे निवेशों पर सदन शुल्क का मुजरा अनुज्ञात कर सकता है जो उक्त नियम के अधीन की गई घोषणा की तारीख पड़ी अधिस्वीकृति अभिप्राप्त करने के ठीक पूर्व विनिर्माता द्वारा प्राप्त किए गए हैं, यदि उक्त यत्न समाधान हो जाता है कि,—

(i) ऐसे निवेश, नियम 57छ के अधीन घोषणा फाईल किए जाने के पश्चात् स्टॉक में पड़े हुए हैं या कारखाने में प्राप्त होते हैं, या

(ii) ऐसे निवेशों का प्रयोग उन अंतिम उत्पादों के विनिर्माण में किया गया है जो कारखाने में 1 मार्च, 1987 को या उसके पश्चात् निकाले गए हैं।

और यह कि विनिर्माता ने ऐसे निवेशों के संबंध में कोई मुजरा किसी अन्य नियम या अधिसूचना के अधीन नहीं लिया है।

परन्तु ऐसे निवेशों का उपयोग ऐसे अंतिम उत्पाद के विनिर्माण में नहीं किया गया है जिसे उस पर उद्वेगपूर्ण संपूर्ण उत्पाद शुल्क में छूट दी गई है या जो शुल्क पर प्रभावी है।”।

(फा. सं. बी 21 / 4 / 87 टी.आर.यू.)
गीतम रे, उप सचिव

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

New Delhi, the 15th April, 1987

NOTIFICATION

No. 117/87-CENTRAL EXCISES

G.S.R. 403(E).—In exercise of the powers conferred by section 37 of the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Central Excise Rules, 1944, namely:—

1. (1) These rules may be called the Central Excise (Second Amendment) Rules, 1987.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Central Excise Rules, 1944 (hereinafter referred to as the said rules), in rule 56A, for sub-rule (9), the following sub-rule shall be substituted, namely:—

“(9) No credit of duty paid on any material, component parts or finished product shall be allowed under this rule if credit of duty paid on such material, component parts or finished products has been taken under rule 57A.”.

3. In rule 57A of the said rules, in sub-rule (1), in the Explanation,—

(a) in clause (iii) the word “or” occurring at the end, shall be omitted;

(b) in clause (iv) the word “or” shall be inserted at the end.

4. For rule 57E of the said rules, the following rule shall be substituted, namely:—

“57F. Adjustment in duty credit :

If duty paid on any inputs in respect of which credit has been allowed under rule 57A, is varied subsequently due to any reason resulting in payment of refund to, or recovery of more duty from, the manufacturer or importer, as the case may be, of such inputs, the credit allowed shall be varied accordingly by adjustment in the credit account maintained under sub-rule (3) of rule 57G or in the accounts maintained under rule 9 or sub-rule (1) of rule 173G, or if such adjustment is not possible for any reason, by cash recovery from or, as the case may be, refund to the manufacturer availing of the credit under rule 57A.”.

5. In rule 57G of the said rules, in sub-rule (2), for the first proviso, the following proviso shall be substituted, namely:—

“Provided that no credit shall be taken unless the inputs are received in the factory under the cover of a Gate Pass, an AR-1, a Bill of Entry or any other document as may be prescribed by the Central Board of Excise and Customs [constituted under the Central Board of Revenue Act, 1963 (54 of 1963)] in this behalf evidencing the payment of duty on such inputs :”.

6. In rule 57H of the said rules, for sub-rule (1), the following sub-rule shall be substituted, namely:—

“(1) Notwithstanding anything contained in rule 57G, the Assistant Collector of Central Excise may allow credit of the duty paid on inputs received by a manufacturer immediately before obtaining the dated acknowledgement of the declaration made under the said rule if he is satisfied that—

(i) such inputs are lying in stock or are received in the factory after filing the declaration made under rule 57G, or

(ii) such inputs are used in the manufacture of final products which are cleared from the factory on or after the first day of March, 1987.

and that no credit has been taken by the manufacturer in respect of such inputs under any other rule or notification :

Provided that such inputs are not used in the manufacture of final product which is exempt from the whole of the duty of excise leviable thereon or is chargeable to nil rate of duty.”.

[F. No. B21/4/87-TRU]

GAUTAM RAY, Dy. Secy.